Roll No. : ..... Total Pages : 8

1642-P

B.A. (First Year) Examination, 2018

SANSKRIT

Paper–II

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : (10×2=20)

(इकाई–I)

(i) हितोपदेश (मित्रलाभ) के अनुसार इस मर्त्य लोक के कौन-से छः मनुष्य को सुख देने वाले हैं ?

(ii) कौन अपनी माता का उच्चार (पुरीष) है ?

(इकाई–II)

(iii) "परः सन्निकर्षः संहिता" सूत्र को स्पष्ट कीजिए।

(iv) कौन से वर्ण 'कण्ठय' कहलाते हैं ?

(इकाई–III)

(v) "अधि हरि" पद का समास विग्रह करते हुए समास का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) "कर्तुरीप्सिततमं कर्म" इस सूत्र में "ईप्सिततमं" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–IV)

(vii) "तत्" शब्द (पुल्लिंग) की तृतीया एवं सप्तमी विभक्ति के रूप लिखिए।

(viii) "पितृ" शब्द के द्वितीया एवं पञ्चमी विभक्ति का रूप लिखिए।

(इकाई–V)

निम्नाङ्कित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(ix) हम दोनों महाविद्यालय की ओर जा रहे हैं।

(x) वह पैर से लंगड़ा है।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×5=10)

(क) अजरामरवत् प्राज्ञो विद्यामर्थं च चिन्मयेत्।
गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।।

(ख) यौवनं धनसम्पत्तिः प्रभुत्वभविवेकिता।
एकैकमप्यनर्थाय किमु यत्र चतुष्टयम्।।

(ग) धर्मार्थकाममोक्षाणां यस्यैकोऽपि न विद्यते।
अजागलस्तनस्येव तस्य जन्म निरर्थकम्।।

(घ) परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।

(इकाई–II)

3. (क) निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : (2½×2=5)

(i) अदर्शनं लोपः।

(ii) आदिरन्त्येन सहेता।

(iii) मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः।

(iv) सुप्तिङन्तं पदम्।

(ख) किन्हीं **दो** की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए : (2½×2=5)

(i) प्रेजते।

(ii) गवेन्द्रः।

(iii) सुध्युपास्यः।

(iv) मनीषा।

(इकाई–III)

4. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **पाँच** पदों का समास-विग्रह बनाकर समास का नाम लिखिए : (5×2=10)

(i) उपकृष्णम्।

(ii) पञ्चगङ्गम्।

(iii) यूपदारु।

(iv) राजपुरुषः।

(v) मुखकमलम्।

(vi) कृष्णश्वेतः।

(vii) षाण्मातुरः।

(viii) त्रिलोकी।

(ix) कण्ठेकालः।

(x) हरिहरौ।

5. अधोलिखित शब्दों में से किन्हीं **दस** शब्दों के वचन और विभक्ति के अनुरूप रूप लिखिए : (10×1=10)

(i) सर्व – (पुल्लिंग) चतुर्थी विभक्ति बहुवचन।

(ii) तत – (पुल्लिंग) षष्ठी विभक्ति द्विवचन।

(iii) इदम् – (स्त्रीलिंग) चतुर्थी विभक्ति एकवचन।

(iv) एतद् – (पुल्लिंग) पञ्चमी विभक्ति एकवचन।

(v) त्रि – (पुल्लिंग) चतुर्थी बहुवचन।

(vi) मातृ – तृतीया विभक्ति एकवचन।

(vii) पितृ – सप्तमी विभक्ति एकवचन।

(viii) स्त्री – तृतीया विभक्ति बहुवचन।

(ix) धनुष – प्रथमा विभक्ति एकवचन।

(x) वेधस् – तृतीया विभक्ति एकवचन।

(xi) भवन् – (पुल्लिंग) प्रथमा विभक्ति बहुवचन।

(xii) राजन् – तृतीया विभक्ति एकवचन।

(xiii) नामन् – प्रथमा विभक्ति बहुवचन।

(xiv) सरित् – तृतीया बहुवचन।

(xv) दिश् – प्रथमा विभक्ति बहुवचन।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (10×1=10)

(i) तुम मेरे साथ आओ।

(ii) हम दोनों वहाँ जाएंगे।

(iii) उमा गांव की ओर जा रही है।

(iv) घर के पास एक उद्यान है।

(v) शिष्य गुरु से उत्तर पूछता है।

(vi) वह मस्तक से गंजा है।

(vii) वे दोनों मेरे लिए चल रहे हैं।

(viii) वहाँ दो बालिकाएं नाच रही थीं।

(ix) रोज अध्ययन करना चाहिए।

(x) तुम गुरु को प्रणाम कर रहे हो।

(xi) आप सभी को मेरा नमस्कार।

(xii) छात्र गुरु से व्याकरण पढ रहा है।

(xiii) गोपाल लतिका को बहुत चाहता है।

(xiv) मेरी बहन मुझे बहुत डांटती है।

(xv) वह अपनी माँ से स्नेह करता है।

(xvi) गरीब को भोजन दो।

(xvii) वे सभी जंगल में रहते हैं।

(xviii) तुम मुझसे क्या चाहते हो ?

(xix) हमारे विश्वविद्यालय के कुलपति कौन हैं ?

(xx) हमारे विभाग में आठ प्राध्यापक हैं।

खण्ड-स

इस खण्ड के अन्तर्गत निम्नाङ्कित प्रश्नों में से कोई **दो** प्रश्न कीजिए : (2×15=30)

(इकाई–I)

7. हितोपदेश (मित्रलाभ) में पठित गृध्र एवं मार्जार कथा का सार अपने शब्दों में लिख कर उस से प्राप्त शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

(इकाई–II)

8. निम्नाङ्कित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :
   (i) येनाङ्गविकारः।
   (ii) अधिशीङ्स्थासां कर्म।
   (iii) भीत्रार्थानों भय हेतुः।

(इकाई–III)

9. अधोलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :
   (i) आद् गुणः।
   (ii) एचोऽयवायावः।
   (iii) अकःसवर्णे दीर्घः।

(इकाई–IV)

10. निम्नाङ्कित शब्दों के रूप लिखिए :

(i) विद्वस्।

(ii) भगवत्।

(iii) तत् (पुल्लिंग)।

(इकाई–V)

11. संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

समग्र विश्व में भारतीय संस्कृति का अग्रणीय स्थान है। अतः भारत विश्वगुरु कहलाता है। क्योंकि भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत एवं संस्कृति के कारण ही है। संस्कृत भाषा में रचित साहित्य में भारतीय संस्कृति की छवि दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति के मूलभूत तत्त्वों में से अन्यतम है तीन त-कार। वर्ण व्यवस्था एवं आश्रम व्यवस्था ये दोनों भारतीय संस्कृति को पुष्ट करती हैं। सोलह संस्कार भारतीय संस्कृति की आत्मा है, क्योंकि संस्कारों से मानव के व्यक्तित्व का परिप्रकाश होता है।